→ सातवाहन वंश

कालखण्ड - द्वितीय शताब्दी ई० पू० से तृतीय शताब्दी ईस्वी यानी लगभग 4½ सौ वर्ष का इतिहास।

① मौर्य के पास जो विंध्य पार का क्षेत्र था, जिसे प्रशासनिक दृष्टि से दक्षिणी चक्र कहा गया था, वह हिस्सा अशोक के बाद धीरे-धीरे नियंत्रण से बाहर निकल चला गया। उस समय मौर्य वंश पूरी तौर पर समाप्त की ओर बढ़ा भी नहीं था कि दक्कन भारत स्वतंत्र होने की कगार पर पहुंच गया। मौर्य प्रभुत्व से मुक्त करने वाला दक्कन भारत की Political dynasty सातवाहन ही है।

Scanned with CamScanner

इसलिए सातवाहन का क्षेत्र भी अधिकतम उनके पास रहा –

महाराष्ट्र + आंध्र + उत्तरी कर्नाटक

राजधानी इनकी प्रतिष्ठान रही, जो महाराष्ट्र में नासिक के निकट है, गोदावरी नदी पर।

(2) सातवाहन से संबंधित तिथि या कालखण्ड इतिहास में सर्वमान्य नहीं हो सकता और यह किसी स्रोत की वजह से नहीं है यह केवल vision और Approach की दृष्टि से है।

यदि Historian North India के हैं और North के Reference में ही Rest India को देखते हैं, तो वे मानते हैं कि कण्व गए और सातवाहन आए यानि पुराण में जिसे आंध्र कहा गया, वही वास्तव में सातवाहन है इसलिए ऐसी दृष्टि और Approach वाले Historian की वजह से इनका इतिहास

27 B.C से तृतीय शताब्दी ईस्वी तक जाता है।

यदि इतिहासकार दक्षिण भारत से आते हैं जैसे नीलकंठ शास्त्री, भण्डारकर, रमनय्या, आयंगार, सोमनाथ, S. गोपाल, तो इन लोगों का स्पष्ट मानना है उत्तर के परिप्रेक्ष्य में दक्कन का इतिहास क्यों देखा जाए। दक्कन-दक्षिण के इतिहास अपने ही Reference में देखे जाने चाहिए और जब अपने परिप्रेक्ष्य में

Scanned with CamScanner

दक्कन के इतिहास का निर्माण होगा तो सातवाहन का कालखंड मौर्य बाद और गुप्त के पहले का होगा। यानि 2 cen. B.C to 3rd cen. A.D।

इस प्रकार सातवाहन का वास्तविक कालखंड कहाँ से कहाँ तक, यह इतिहास में विवादित रहा है और विवाद में कालखंड का फर्क 200 साल तक हो जाता है।

(नीलकंठशास्त्री - 230 ई० पू० में सातवाहन सत्ता का आरंभ माना)

इस विवादित तथ्य का निराकरण संभव नहीं है इसलिए सातवाहन की तिथि इतिहास में विवेच्य ही नहीं है इतिहास में आमतौर पर यह माना जाता है

(a) मौर्य बाद दक्कन में सातवाहन का आगमन हुआ

(b) सातवाहन इतिहास की शुरुआत द्वितीय शताब्दी ई० पू० में हुई

(c) सातवाहन वंश का पहला शासक सिमुक था यह वंश संस्थापक माना गया, राज्य संस्थापक नहीं।

(d) सातवाहन ने स्वतंत्र हैसियत प्रथम शताब्दी ई० पू० में हासिल की यह हासिल करने वाला प्रथम शासक शातकर्णी-I था

अतः ही राज्य सातवाहन राज्य का संस्थापक माना गया

Founder of सातवाहन dynasty - सिमुक
Founder of सातवाहन Kingdom - शातकर्णि-I
or सातवाहन state

(e) सातवाहनों ने दो चरणों में केवल पर शासन किया है, इसलिए सातवाहन इतिहास का दो Phase है, प्रथम चरण

द्वितीय शताब्दी ई.पू. से प्रथम शताब्दी ई०
(2 cen. B.C to I cen. A.D)

प्रथम चरण में 19 शासक हुए हैं.
जिनमें दो नाम महत्वपूर्ण है— I cen. B.C
1. शातकर्णि - I (3rd ruller)
2. राजा हाल (17th ruller) 1 cen. A.D

द्वितीय चरण
(1 cen. A.D से 3rd cen. A.D)

इसमें 11 शासक हुए हैं, जिनमें 3 का नाम अनिवार्यतः ध्यान में रखना है -
1. गौतमी पुत्र शातकर्णि (1 cen A.D to 2nd cen. A.D)
2. वाशिष्ठीपुत्र पुलुमावि (2 cen. A.D)
3. यज्ञश्री शातकर्णि (2 cen. A.D)

कुल मिलाकर सातवाहन वंश के चार शताब्दी के इतिहास में कुल 30 शासक रहे हैं जिनमें 5 नाम विशिष्ट हैं प्रथम चरण के दो नाम और द्वितीय चरण के तीन नाम।
यह चरणों का इतिहास है कि प्रथम

शताब्दी ईस्वी में सातवाहन इतिहास में व्यवधान डाल दिया गया शकों के द्वारा, शकों ने कुछ समय के लिए महाराष्ट्र जीत लिया और राजधानी प्रतिष्ठान से बाहर कर दिया। इसलिए सातवाहन इतिहास विलंबित हो गया। इस बीच में महाराष्ट्र में शकों के भूमक वंश का शासन 30 वर्ष चला। लेकिन सातवाहनों ने अपनी स्थिति फिर से सुधार ली। गौतमीपुत्र शातकर्णि ही सातवाहन राज्य का पुनर्संस्थापक कहा जाता। उसने शकों को महाराष्ट्र से बाहर किया और सातवाहन राज्य को फिर से प्रतिष्ठित किया।

सातवाहन इतिहास अनुक्रम

(2 शताब्दी ई० पू० से तृतीय शताब्दी ईस्वी)

वंश संस्थापक - सिमुक

प्रथम चरण इतिहास - द्वितीय शताब्दी ई०पू० से प्रथम शताब्दी ई०
कुल 19 शासकों का दौर

प्रमुख शासक -

1. शातकर्णि - I (3rd Ruller) (1 cen. B.C)
2. राजा हाल (17th Ruller) (1 cen. A.D)

द्वितीय चरण का इतिहास - (1 Cen. B.C से 3rd Cen. A.D)

कुल 11 शासकों ने शासन किया

प्रमुख है तीन

1. गौतमीपुत्र शातकर्णि - (1 Cen. B.C to 2 Cen. A.D)
2. वशिष्ठी पुत्र पुलुमावी - (2 Cen. A.D)
3. यज्ञ श्री शातकर्णी - (2 Cen. A.D)

उपद्रवकाल - प्रथम शताब्दी ईस्वी में मात्र 30 वर्ष का इतिहास

शकों के भूमक वंश ने महाराष्ट्र पर नियंत्रण कायम कर लिया।

वंश संस्थापक - सिमुक

Q.1 निम्नलिखित में से किस व्यक्ति को भारतीय इतिहास में शक निसूदन कहा गया है

(A) चंद्रगुप्त मौर्य (B) समुद्रगुप्त (C) शातकर्णी - I

(D) गौतमीपुत्र शातकर्णि

Q.2 राजा हाल एक विख्यात सातवाहन शासक रहा है, जिसने उत्तम रचना गाथा सप्तसती दी है, गाथा सप्तसती किस दौर की रचना है -

(A) द्वितीय शताब्दी ई० पू० (B) द्वितीय शताब्दी ई०

(C) प्रथम शताब्दी ई० पू० (D) प्रथम शताब्दी ई०

Q.3 उड़ीसा का प्रसिद्ध शासक खारवेल का प्रथम शताब्दी ई० पू० का हाथीगुम्फा अभिलेख कहता है कि उसने

Scanned with CamScanner